

श्री प्रकाशवीर झास्त्री : जो अनुरोध में करने जा रहा हूँ उसको आप ज्ञान्ति के साथ सुन लें। सदन के 47 माननय सदस्यों की भावनाओं से आप अवगत हो चुके हैं। अभी आपने कुछ आवश्यक प्रश्नों की अनुमति इसलिये नहीं दी कि वे कालिग एटेंशन नोटिस की जो भाषा थी उसके बाहर के थे। इस प्रश्न पर देश में और सदन में जो रोष है और सदन की जो भावनायें हैं आप उनसे परिचित हो गये हैं। डिबेट की आप किसी न किसी रूप में इस विषय पर अनुमति अवश्य दें।

श्री बागड़ी : बस मैं इसी की ताईद करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। गो सरकार के अन्दर भी इस पर बड़ी चर्चा है और जो कांग्रेस के सदस्य हैं वह भी बेचारे इस से बड़े असन्तुष्ट हैं, वह सिर्फ बिह्र के नाते से.....

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर। अब आप बैठ जाइये। आप इसी की ताईद करना चाहते हैं।

श्री बागड़ी : इस के ऊपर जरा कुछ और बहस और चर्चा चले ताकि हिन्दुस्तान के अन्दर एक विश्वास की भावना पैदा हो, वना इस सवाल को ले कर हिन्दुस्तान की जनता में एक बड़ी अशान्ति और अविश्वास सा है।

श्रीमती बिजय लक्ष्मी पंडित (फूलपुर) : अध्यक्ष महोदय, इस बात को हम लोग, और सारा देश, मंजूर करता है कि एक शोचनीय समस्या हो गई है शेर अब्दुल्ला के बाहर जाने से। मगर क्या हम लोग इसे बहुत बढ़ा नहीं रहे हैं घड़ी घड़ी उन की चर्चा कर के और फिर यह इजाजत मांग करके कि इस के ऊपर बड़ा लम्बा डिबेटे। गवर्नमेंट ने बहुत सफाई से कह दिया है कि जो कुछ भी हो सकता है वह किया जा

रहा है और आइन्दा जैसी भी शकल होनी उसका सामना लिया जायेगा। अब बार बार इस विषय को दोहराकर संसार के अज्ञानों में इसकी चर्चा को बढ़ा रहे हैं। शेर अब्दुल्ला को चीन का सेनापति तो नहीं मगर कोई ऊंचा दर्जा हम ही दे रहे हैं। मैं सरकार से पूछना चाहती हूँ कि मान लीजिये थोड़ी देर के लिए कि शेर अब्दुल्ला चीन चले भी जायें या अगर मर्जी हो तो स्पेस में भी चले जायें तो क्या इससे हमारी नीति काश्मीर के बारे में बदलने वाली है। यह नीति सरकार बतला चकी है। और स्थिर नीति है—फिर हमें अधिक भय नहीं होना चाहिये।

श्री मधु लिमय : क्या विजय लक्ष्मी जी को अनुशासित किया गया है ?

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये। मैंने आप को इजाजत दी है और आप बोल चुके हैं। आप बार बार स्कावट न डालें।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय,...

अध्यक्ष महोदय : मैंने आप से कहा है कि आप बैठ जाइये। अः भगत (Interruptions)

13.03 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

INCOME-TAX (FOURTH AMENDMENT) RULES

The Deputy Minister in the Ministry of Finance (Shri Rameshwar Sahu): On behalf of Shri Bhagat, I beg to lay on the Table a copy of the Income-tax (Fourth Amendment) Rules, 1965, published in Notification No. S.O. 1086 dated the 30th March, 1965, under section 296 of the Income-tax Act, 1961.

[Placed in Library, see No. LT-4133/65].

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) :
अध्यक्ष महोदय, जरा इधर भी ...

अध्यक्ष महोदय : क्या इस तरह से
आप लोग रुकावट डालते जायेंगे ।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं
बड़ा भी हूँ और बोलने की कोशिश कर रहा
हूँ ।

अध्यक्ष महोदय : मैं आप को इजाजत
नहीं दे रहा हूँ । श्री एस० डी० मिश्र ।

डा० राम मनोहर लोहिया : विजय
लक्ष्मी जी इसे भी समझें कि यह शेख अब्दुल्ला
का मामला नहीं है, यह चीन का मामला
है ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

एक माननीय सदस्य : क्या विजय
लक्ष्मी जी को ऐसा कहने की आज्ञा दी गई है ।

अध्यक्ष महोदय : क्या माननीय सदस्य
इस तरह से बोलते चले जायेंगे एक दूसरे
के बाद ।

ANNUAL REPORT OF NATIONAL PROJECTS
CONSTRUCTION CORPORATION AND
REVIEW BY GOVERNMENT THEREON

The Deputy Minister in the Minis-
try of Irrigation and Power (Shri
Shyam Dhar Misra): I beg to lay on
the Table a copy each of the follow-
ing papers:

- (i) Annual Report of the National
Projects Construction Cor-
poration Limited, New Delhi,
for the year 1963-64, along

with the Audited Accounts
and the comments of the
Comptroller and Auditor
General thereon, under sub-
section (1) of Section 619A
of the Companies Act, 1956.

- (ii) Review by the Government
on the working of the above
Corporation.

[Placed in Library, see No. LT-
4134/65].

13-03½ hrs.

CORRECTION OF ANSWER TO SQ.
NO. 646

FINANCIAL CONDITIONS OF PANCHAYATS

The Deputy Minister in the Ministry
of Community Development and Co-
operation (Shri B. S. Murthy): Please
permit me to correct the
statement made by me on 30th March,
while answering a supplementary to
Starred Question No. 646; I stated
that "In Andhra Pradesh, the Gov-
ernment have entrusted the collection
of land revenue with the Panchayats,
and the report is that cent per cent
collection was made, as a result of
which the panchayats are getting
about Rs. 4000 to Rs. 8000 as com-
mission." The correct position is that
"In Andhra Pradesh, the Government
have entrusted the levy of cess on
land revenue with the Panchayats.
The report is that cent per cent
collection was made and as a result
some Panchayats were getting about
Rs. 4000—Rs. 8000."